॥ श्रोविश्वनाथो जयति॥

आचार-चन्द्रिका।

Library No. 17.80

श्रीस्वामी दयानन्द विरंचिती

भारतधर्म्मासिएिडकेट लिमिटेडके द्वारा श्रीभारतधर्ममहामएडलके शास्त्रप्रकाशक विभागके लिये

प्रकाशित।

--:*:--

काशी।

संवत् १६=० विक्रमीय।

All Rights Reserved.

द्वितीयावृत्ति २०००] सन् १६२४ ई० [मूल्य ॥) श्राना ।

%99999999999999999

Printed by H. N. Bagchi, at the Bharat Dharma Press, Benares